dk'kh fgUnw fo'ofo|ky;
i= l] ifCyds'ku ,.M ifCyflVh lsy
lwpuk ,oa tulEidZ dk;kZy;

i= foKfIr fnukad% 15-03-2008

jktho xka/kh nf{k.kh ifjlj ds fodkl ds fy, i.kZ lgk;rk dk vk'oklu% Mk- euekgu flag

वाराणसी (15 मार्च, 2008) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय आधुनिक शिक्षा एवं भारतीय संस्कृति का अध्ययन केन्द्र है जहाँ एक ओर इंजिनियरिंग, चिकित्सा और कृषि विज्ञान की शिक्षा दी जाती है, वहीं दूसरी ओर इतिहास पुरातत्व विज्ञान, चित्रकला, ललित कलाएं और संगीत जैसी विद्याओं का समुच्चय विश्वविद्यालय की विशिष्ट खासियत है। महामना पं. मदन मोहन मालवीय की तपस्थली काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के 90वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर आये भारत के प्रधान मंत्री डा. मनमोहन सिंह ने यह उद्‌गार व्यक्त किए। प्रधानमंत्री ने खुशी जाहिर करते हुए विश्वविद्यालय के राजीव गांधी दक्षिणी परिसर को विकसित करने हेतु समस्त सुविधाओं को उपलब्ध कराने हेतु कंधे से कंधा मिला कर आगे बढ़ने हेतु आश्वस्त करते हुए हर सम्भव मदद देने को कहा, उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय का दक्षिणी परिसर निश्चय ही पिछड़े और ग्रामीण विन्ध्य क्षेत्र में शिक्षा और विज्ञान की एक नयी ज्योति जला सकेगा। भारत को अपना पुराना गौरव प्राप्त करने हेतु शिक्षा के आधुनिकीकरण और देश के पारंपरिक ज्ञान को साथ में लेकर चलने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा उन्नति का यह प्रशस्त पथ आधुनिक विज्ञान को साथ में लेकर चलने पर ही वैज्ञानिक क्रांति ला सकेगा और गरीबी का समाधान कर पायेगा। महामना के विचारों से प्रभावित प्रधानमंत्री ने चरित्रवान और कर्मवीर नौजवानों का निर्माण करने हेतु काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के योगदान को सराहनीय बताया। आर्थिक विकास की चुनौतियों का सामना करने के लिए विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को शिक्षित, हुनरमंद, दक्षता एवं विशेष ज्ञान की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि यही युवा हमारे देश में ही नहीं बल्कि सारी दुनिया में अपनी अमिट छाप छोड़ सकेंगे तथा भारत को ऐसा राष्ट्र बना सकेंगे जिसकी दुनिया के सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। पंडित नेहरू के कथन का उद्‌घोष करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को ग्रामीण क्षेत्रों में सघन भूमिका निभानी होगी। विज्ञान और प्रौद्योगिकी को गांवों तक ले जाना होगा एवं गांव की चिन्ताओं को कक्षाओं तक लाना होगा। राजीव गांधी दक्षिणी परिसर के विकास हेतु उन्होंने समस्त सुविधाओं को उपलब्ध

कराने का वचन दिया जिससे शिक्षक, छात्र और शोधकर्ता ज्ञान के क्षेत्र की गहराई को छू सकें और उन्हें विकास हेतु पूरे अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि शिक्षा से जुड़े सभी लोग शिक्षा प्राप्त करके काबिल बनें, अनुसंधान करें, अध्यापन करें तथा अपने चारो ओर ज्ञान का विस्तार करें, जिससे आधुनिक शिक्षा में एक नयी क्रांति आ सके और विश्वविद्यालय साधन सम्पन्न हो सके। प्रदेश के लोगों को अपने ज्ञान की विरासत को पुनः तलाशने और तराशने का संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि हमें विकास और आधुनिकीकरण का संदेश सभी तक पहुचाना होगा चाहे वह किसी भी जाति वर्ग या समुदाय का हो। विश्वविद्यालय को नालेज सोसाइटी और नालेज इकानामी का केन्द्रबिन्दु बनना होगा, जिससे विकास को एक नयी दिशा मिल सके। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के युवा विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि मेरी इच्छा है कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भावी भारत के निर्माण में सबसे आगे रहें जो कि ऐसा करने में पूरी तरह सक्षम हैं। कार्यक्रम का शुभारम्भ महामना के चित्र पर माल्यार्पण, कुलगीत एवं प्रो. उपेन्द्र पाण्डेय द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ। इसके पश्चात काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रों. पंजाब सिंह जी ने स्वागत संबोधन पढ़ते हुए विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों की प्रगति के बारे में जानकारी दी। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डा. कर्ण सिंह ने उपनिषदों में निहित उपदेशों का उल्लेख कर उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अपने जीवन में संस्कार का संचार करने को कहा, उन्होंने छात्राओं द्वारा अधिक मेडल प्राप्त करने पर प्रसन्नता जाहिर की। डा. कर्ण सिंह जी ने निर्धारित मेधावी छात्रों को उपाधि प्रदान की तथा माननीय प्रधान मंत्री डा. मनमोहन सिंह जी को डी.लिट् (आनरिस काजा) की उपाधि से सम्मानित किया। श्री सतीश गुजराल एवं डा. इरफान हबीब को उनकी अनुपस्थिती में आनरिस काजा की उपाधि से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डा. मनमोहन सिंह ने मेधावी और होनहार छात्रों को विश्वविद्यालय पदक प्रदान किए इसके अन्तर्गत एमए/एमएससी परीक्षा 2007 में सर्वोच्च प्रशित अंक प्राप्त करने के लिए कुमारी पूनम गुप्ता को चान्सलर मेडल तथा बीएचयू मेडल प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त 27 अन्य छात्र–छात्राओं को बीएचयू मेडल दिया गया। इस दीक्षान्त समारोह के अन्तर्गत पीएचडी के 179, स्नातकोत्तर की 2023 तथा स्नातक की 4252 उपाधियां प्रदान की गयी। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पंजाब सिंह ने प्रधान मंत्री सहित उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महामहिम टी वी राजेश्वर एवं प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य मंत्री श्री अनन्त मिश्रा को स्मृति चिन्ह भेंट किया। अन्त में कुलपति प्रो. पंजाब सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

p; jelu